# टाइफून यागी

**स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस**

हाल ही में **टाइफून यागी ने दक्षिण पूर्व एशिया** में बड़े पैमाने पर छति पहुँचाई है, **जिससे फिलीपींस, चीन, लाओस, म्याँमार, थाईलैंड** और विशेष रूप से **वियतनाम** प्रभावित हुए हैं।

- यह सितंबर 2024 तक **एशिया में आने वाला सबसे शक्तिशाली उष्णकटिबंधीय चक्रवात है और हरिकेन बेरिल (अटलांटिक महासागर)** के बाद विश्व का दूसरा सबसे शक्तिशाली चक्रवात है।
- इसकी उत्पत्ति पश्चिमी फिलीपीन सागर में एक **उष्णकटिबंधीय तूफान (63 किमी. प्रति घंटे तक की वायु की गति) के रूप में हुई थी, जो 260 किमी. प्रति घंटे** की वायु की गति के साथ **श्रेणी 5 टाइफून** में बदल गया।
  - **सैफिर-सिम्पसन विंड स्केल (Saffir-Simpson Hurricane Wind Scale)** हरिकेन या उष्णकटिबंधीय चक्रवात को **श्रेणी 1 (119-153 किमी. प्रति घंटे) से श्रेणी 5 (252 किमी. प्रति घंटे या उससे अधिक) में** वर्गीकृत करता है, श्रेणी 3 और उससे अधिक तक पहुँचने वाले तूफानों को उनके महत्त्वपूर्ण नुकसान के कारण प्रमुख उष्णकटिबंधीय चक्रवात माना जाता है।"
  - **119 किमी. प्रति घंटे** और उससे अधिक की गति वाली तूफान प्रणालियों को **हरिकेन, टाइफून या उष्णकटिबंधीय चक्रवात** के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।"
- भारत सरकार द्वारा **वियतनाम, लाओस और म्याँमार** को सहायता तथा तत्काल आपूर्ति प्रदान करने हेतु **ऑपरेशन "सद्भाव" शुरू किया गया है।**
  - ऑपरेशन 'सद्भाव' भारत की दीर्घकालिक **'एक्ट ईस्ट पॉलिसी'** के अनुरूप**, आसियान क्षेत्र** में **मानवीय सहायता और आपदा राहत (HDAR) में योगदान देने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है।**
- **उच्च गति के टाइफून के कारण: वर्ष 1850 के बाद से** वैश्विक औसत **समुद्री सतह के तापमान** में लगभग **0.9°C तथा पिछले चार दशकों** में **लगभग 0.6°C की वृद्धि हुई है।**
- **समुद्र की सतह का उच्च तापमान समुद्री उष्ण तरंगों और वाष्पीकरण में वृद्धि करता है, जिसके परिणामस्वरूप उच्च गति वाले टाइफून आते हैं, जो समुद्रतटों के निकट विकसित होते हैं तथा तीव्र गति में बदल जाते हैं।**

**नोट:** टाइफून बेबिनका ने **चीन के शंघाई में दस्तक दी**। यह **75 वर्षों** में शंघाई में आने वाला **सबसे शक्तिशाली टाइफून है।** यह शायद ही कभी प्रत्यक्ष रूप से **शंघाई** को प्रभावित करते हैं, इसके बजाय वे आमतौर पर चीन के दक्षिण में अधिक तेज़ी से दस्तक देते हैं।

//

# चक्रवात

## परिचय

चक्रवात एक कम दबाव वाला क्षेत्र होता है जिसके आस-पास तेजी से इसके केंद्र की ओर वायु परिसंचरण होते हैं।

## चक्रवात बनाम प्रतिचक्रवात

| दबाव प्रणाली | केंद्र में दबाव की स्थिति | हवा की दिशा का पैटर्न | |
|---|---|---|---|
| | | उत्तरी गोलार्द्ध | दक्षिणी गोलार्द्ध |
| चक्रवात | निम्न | वामावर्त | दक्षिणावर्त |
| प्रतिचक्रवात | उच्च | दक्षिणावर्त | वामावर्त |

## वर्गीकरण

उष्णकटिबंधीय चक्रवात; मकर और कर्क रेखा के बीच उत्पन्न होते हैं।

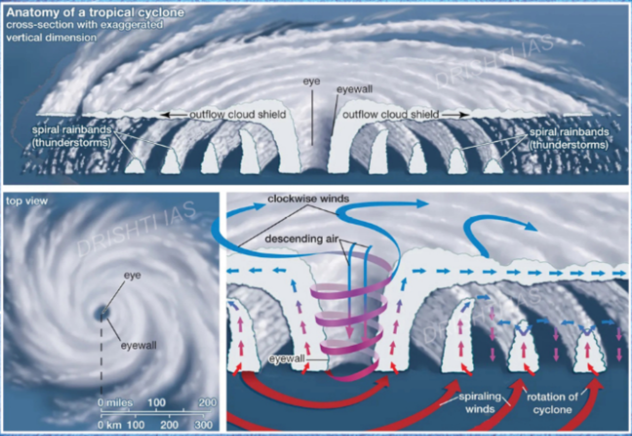


अतिरिक्त उष्णकटिबंधीय/समशीतोष्ण चक्रवात; ध्रुवीय क्षेत्रों में उत्पन्न होते हैं।

- ✦ **गठन के लिए शर्तें:**
  - ✶ 27 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान वाली एक बड़ी समुद्री सतह।
  - ✶ कोरिओलिस बल की उपस्थिति।
  - ✶ ऊर्ध्वाधर/लंबवत हवा की गति में छोटे बदलाव।
  - ✶ पहले से मौजूद कमजोर निम्न-दबाव क्षेत्र या निम्न-स्तर-चक्रवात परिसंचरण।
  - ✶ समुद्र तल प्रणाली के ऊपर विचलन (Divergence)।
- ✦ **नामकरण:**
  - ✶ **नोडल प्राधिकरण: विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO)**
  - ✶ **हिंद महासागर क्षेत्र:** बांग्लादेश, भारत, मालदीव, म्याँमार, ओमान, पाकिस्तान, श्रीलंका और थाईलैंड इस क्षेत्र में आने वाले चक्रवातों के नामकरण में योगदान करते हैं।
- ✦ **उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के लिये अलग-अलग नाम:**
  - ✶ **टाइफून:** दक्षिण पूर्व एशिया और चीन
  - ✶ **हरिकेन:** उत्तरी अटलांटिक और पूर्वी प्रशांत
  - ✶ **टॉरनेडो:** पश्चिम अफ्रीका और दक्षिणी संयुक्त राज्य अमेरिका
  - ✶ **विली-विलीज:** उत्तर पश्चिम ऑस्ट्रेलिया
  - ✶ **उष्णकटिबंधीय चक्रवात:** दक्षिण पश्चिम प्रशांत और हिंद महासागर
- ✦ **भारत में चक्रवात:**
  - ✶ **द्वि-वार्षिक चक्रवात मौसम:** मार्च से मई और अक्टूबर से दिसंबर।
  - ✶ **हाल के चक्रवात:** ताउते, वायु, निसर्ग और मेकानु (अरब सागर में) तथा असानी, अम्फान, फोनी, निवार, बुलबुल, तितली, यास और सितरंग (बंगाल की खाड़ी में)।

**और पढ़ें...** [चक्रवात]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/typhoon-yagi